

## इस अंक में...

7 सम्पादकीय

9 समसामयिकी घटना संग्रह

10 समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

## 19 आर्थिक घटना संग्रह

- त्रिपुरा के पहले विशेष आर्थिक क्षेत्र की स्थापना को मंजूरी
- बीएसएनएल एवं एमटीएनएल के विलय का निर्णय
- आरबीआई ने छोटे निर्यातकों के लिए लोन सीमा बढ़ाई
- डाक विभाग ने शुरु की मोबाइल बैंकिंग सुविधा

## 23 राष्ट्रीय घटना संग्रह

- विशिष्ट प्रधानमंत्री नवाचार शिक्षण कार्यक्रम 'ध्रुव' का शुभारम्भ
- तेलंगाना देश का पूर्णतः विद्युतीकृत राज्य बना
- देश का पहला ई-वेस्ट क्लिनिक
- भारत की पहली प्राइवेट ट्रेन तेजस को हरी झंडी
- राजस्थान में तम्बाकू और पान मसाला पर पूर्ण प्रतिबंध

## 26 अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- सऊदी अरब पहली बार जारी करेगा पर्यटकों को टूरिस्ट वीजा
- संयुक्त राष्ट्र की आम बैठक में 14 राष्ट्रों का चुनाव
- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की फ्रांस यात्रा
- जापान ने दुनिया का सबसे बड़ा परिवहन अन्तरिक्षयान लॉन्च किया
- महिलाओं को सशस्त्र बलों में सेवा करने की अनुमति
- ब्राजील जाने के लिए भारतीयों को नहीं लेना होगा वीजा

## 30 खेल खिलाड़ी

- आईसीसी महिला प्रतियोगिताओं की पुरस्कार राशि में वृद्धि
- मिताली राज बनीं सबसे ज्यादा समय इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने वाली खिलाड़ी
- रोहित शर्मा एक टेस्ट में 13 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बने
- नोवाक जोकोविच ने जापान ओपन का खिताब जीता

33 विज्ञान समाचार

35 महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

38 समसामयिकी वस्तुनिष्ठ प्रश्न

## लेख

- 40 भौगोलिक लेख—मरुस्थलीकरण: दुनिया के समक्ष बड़ी चुनौती
- 42 कृषि लेख—भूमि की गुणवत्ता में हास: आधुनिक कृषि तकनीक का परिणाम
- 43 संवैधानिक लेख—अब धरती का स्वर्ग बनेगा कश्मीर: सुधरेगी जम्मू-कश्मीर की तस्वीर
- 77 प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता
- 78 तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-116 का परिणाम
- 81 रोजगार अवसर

## हल प्रश्न-पत्र

- 45 इंटेलीजेंस ब्यूरो सुरक्षा सहायक/कार्यपालक परीक्षा, 2018
- 50 रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड लेवल-1 ग्रुप 'डी' कम्प्यूटर आधारित परीक्षा, 2018
- आईबीपीएस द्वारा आयोजित क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक ऑफिस असिस्टेंट (प्रा.) परीक्षा, 2017
- 57 तर्कशक्ति
- 60 संख्यात्मक अभियोग्यता
- 64 उत्तराखण्ड समूह 'ग' भर्ती परीक्षा, 2019
- 68 आगामी बिहार सिपाही भर्ती परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न
- 74 कोर्स ऑन कम्प्यूटर कॉन्सेप्ट्स (CCC)

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे—इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनिकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी 'सबसेसमिर' की नहीं है.

○ सम्पादक : महेन्द्र जैन  
○ रजिस्टर्ड ऑफिस : 2/11ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा-2  
○ सम्पादकीय ऑफिस  
1, स्टेट बैंक कॉलोनी, वन चेतना केन्द्र के सामने  
आगरा-मथुरा बाईपास, आगरा-282 005  
फोन-2531101, 2530966  
ई-मेल: सम्पादकीय: [publisher@pdggroup.in](mailto:publisher@pdggroup.in)  
कस्टमर केयर: [care@pdggroup.in](mailto:care@pdggroup.in)

○ दिल्ली ऑफिस  
4845, अंसारी रोड, वरियागंज,  
नई दिल्ली-110 002  
फोन- 011-23251844, 43259035

○ पटना ऑफिस  
पारस भवन (प्रथम तल),  
खजांची रोड,  
पटना- 800 004  
फोन- 0612-2303340  
मो- 09334137572

○ कोलकाता ऑफिस  
H-3, ब्लॉक-B, म्युनिसिपल प्रीमिसेस No.  
15/2, गालिफ स्ट्रीट, पी.एस. श्यामपुकर,  
कोलकाता- 700 003 (W.B.)  
फोन- 033-25551510

○ हैदराबाद ऑफिस  
16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा  
आर.टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड  
(आन्ध्रा बैंक के बगल में), हैदराबाद-500 036  
(तेलंगाना) फोन- 040-24557283

○ हल्द्वानी ऑफिस  
8-310/1, ए. के. हाउस  
हीरानगर, हल्द्वानी,  
जिला-नैनीताल- 263 139  
(उत्तराखण्ड)  
मो- 07060421008

○ इन्दौर  
30-31, जिन्सी हाट मैदान,  
बाबा रामदेव मंदिर के निकट  
मलहारगंज  
इन्दौर- 452 002 (म.प्र.)  
फोन- 9203908088

○ लखनऊ ऑफिस  
B-33, ब्लॉक स्ववायर, कानपुर  
टैक्सो स्टैण्ड लेन, मवईया,  
लखनऊ- 226 004  
फोन- 0522-4109080  
मो- 09760181118

○ नागपुर ऑफिस  
1461, जूनी शुक्रवारी,  
सक्करदरा रोड, हनुमान  
मन्दिर के सामने,  
नागपुर-440 009 (महाराष्ट्र)  
मो- 09370877776

# हौसला बनाए रखें-धैर्य न खोएं



“Two of the hardest tests in life : The patience to wait for right moment and the courage to accept whatever you encounter.”

— Paulo Coelho

मुसीबत अथवा संकट आने पर व्यक्ति का साथ सबसे पहले उसका धैर्य छोड़ देता है. संकट के समय, इष्ट के वियोग अथवा अनिष्ट की आशंका मात्र से या प्राप्ति के समय व्यक्ति धैर्य खो बैठता है और अपने को असहाय अनुभव करने लगता है. गोस्वामी तुलसीदास ने ऋषिपत्नी माता अनुसूया द्वारा देवी सीता को जो उपदेश दिलाया है, उसमें यही तथ्य उजागर किया गया है कि—

धीरज, धर्म, मित्र अरु नारी ।

आपति काल परखिए चारी ॥

अर्थात् आपति के समय व्यक्ति को धैर्य, धर्म, मित्र और नारी (पत्नी) की ही परीक्षा करनी चाहिए.

धैर्यवान होना विशेषकर कर्मशील व्यक्तियों का प्रथम गुण होता है. साहित्य के मनीषियों ने नाटक में चार प्रकार के नायक बताए हैं. उनमें प्रत्येक के पहले धीर शब्द जुड़ा हुआ है—धीरोदात्त, धीर ललित, धीर प्रशान्त और धीरोद्धता, धैर्य मनुष्यता के कर्मशीलता का प्रमुख लक्षण है.

धैर्य चले जाने पर व्यक्ति विवेक खो बैठता है और उसकी समझ में नहीं आता है कि वह क्या करे ? परीक्षा भवन में बैठा हुआ परीक्षार्थी कठिन प्रश्न-पत्र देखकर यदि धैर्य खो दे और पसीना-पसीना हो जाए, तो ऐसी स्थिति में वह क्या कर सकेगा ? वह परेशान होकर निष्क्रिय हो जाएगा तथा अपनी परीक्षा का परिणाम बिगाड़ देगा. इसके विपरीत जो परीक्षार्थी अपना धैर्य बनाए रखेगा और अपने विवेक से कार्य करेगा, वह सन्तुलित होकर प्रश्नों के उत्तर लिखना प्रारम्भ कर देगा. वह जानता है कि घबराना किसी रोग अथवा

विपत्ति का इलाज नहीं है तथा प्रश्न-पत्र में पूछे जाने वाले प्रश्न पाठ्यक्रम में से ही पूछे गए होंगे. उनकी भाषा में कुछ क्लिष्टता आ गई है अथवा उनको घुमाव देकर पूछ लिया गया है. इस प्रकार के सोच वाला परीक्षार्थी पूरे साहस के साथ परीक्षा भवन में अपने स्थान पर एक वीर सिपाही की भाँति डटा रहता है और अपने प्रश्न-पत्र को हल करता है.

सामान्य जीवन में प्रतिकूल परिस्थितियाँ प्रायः आती रहती हैं, जो उनको धैर्यपूर्वक झेलते हैं, वे ही धैर्यवान कहलाते हैं और उनसे पार पा लेते हैं. संस्कृत के महाकवि कालिदास ने अपने महाकाव्य कुमारसम्भव में लिखा है कि मन का विकार होने पर भी जिसका चित्त विकृत नहीं होता है, वही धीर है. सहिष्णुता के आलोक में धैर्य की परीक्षा होती है. इसी तथ्य को लक्ष्य करके एक मनीषी ने कहा है कि सहिष्णुता समस्त सद्गुणों की आधारशिला है. जब विपत्ति की चट्टान तथा मुसीबत का सैलाव तूफान लेकर खड़ा हो, तो उस विकट वेला में तुम्हें विचलित होने से धीरज ही बचा पाएगा.